DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
SESSION 2023-24
HALF-YEARLY EXAMINATION

CLASS: IX **FULL MARKS: 80**
SUBJECT: HINDI [SET A] **TIME: 3 HOURS**

Answers to this paper must be written on the paper separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answer.
This paper comprises two sections : Section A and Section B. Answer all questions in Section A and any four from Section B.
The intended marks for questions or part of questions are given in the brackets [ ]
This paper consists of seven pages.

SECTION A (40 MARKS)

Attempt all questions

Question 1

Write a composition in Hindi in approximately 250 words on any ONE of the topics given below:
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :- **[15]**

i) **"समय को मित्र बनाने से सफलता कदम चूमती है" – कथन के आधार पर अपने विचार लिखें।**

ii) **"जब आपके मित्र ने आपका जीवन ही बदल कर रख दिया।" — इसके आधार पर कोई घटना लिखिए और वह आपके लिए यादगार कैसे साबित हुई ?**

iii) **स्वच्छता हम सभी के लिए लाभदायक है, यदि आपको स्वच्छ भारत अभियान में सहयोग देने के लिए कोई तीन कार्य करने लिए कहा जाए तो आप किन कार्यों को करना पसन्द करेंगे और क्यों ? अपने विचारों द्वारा स्पष्ट कीजिए।**

iv) **"बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥" — पंक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।**

v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसका वर्णन कीजिए तथा चित्र को आधार बनाकर अपने विचार व्यक्त करे अथवा कहानी लिखिए।

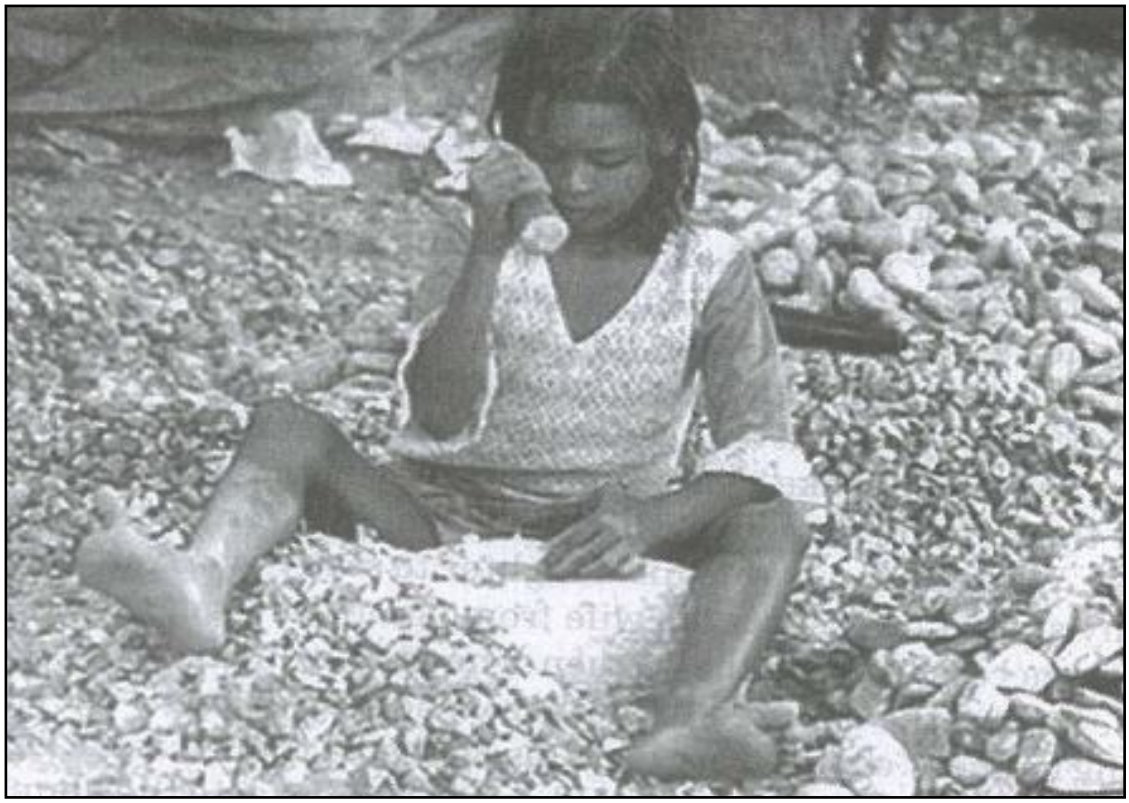

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below:
निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए : [7]

i) आप अपने विद्यालय के एक दल को वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए ले जाना चाहते हैं / चाहती हैं, वृक्षारोपण का महत्त्व बताते हुए प्रधानाचार्या महोदया को पत्र लिखिए।

ii) आपकी छोटी बहन किसी दूसरे शहर में पढ़ने गई है, जहाँ जाकर वह पढ़ाई के प्रति लापरवाह हो गई है। उसे यह समझाते हुए कि शिक्षा सबकी आवश्यकता है, एक पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the question that follow, using your own words as far as possible:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखें :

एक दिन महान यशस्वी दार्शनिक कन्फ्यूसियस वन में एकांत स्थान पर चिंतन मनन में लीन बैठे थे। अकस्मात ही सम्राट उधर से गुजरा। उन्हें इस निश्चिन्त एवं आनन्दमयी मुद्रा में बैठे देखकर कौतूहल वश सम्राट ने उनसे पूछा, तुम कौन हो? कन्फ्यूसियस ने बड़े आत्म विश्वास के साथ कहा, "मैं महान सम्राट हूँ।" सम्राट ने विस्मित होकर कहा, "वन में एकांत स्थान पर एकाकी बैठे हो और अपने-आप को सम्राट कहते हो। तुम सम्राट कैसे हो ?"

कन्फ्यूसियस ने प्रत्युत्तर में पूछा, "आप कौन हैं ? " सम्राट ने कहा, मेरे पास अनगिनत नौकर चाकर हैं। विशाल अजेय सेना है। अक्षय धन कोष है। विपुल वैभव है और विस्तृत साम्राज्य है। तुम तो अकेले जंगल में बैठे हो और अपने आप को सम्राट कह रहे हो। तुम्हारी यह मान्यता मात्र भ्रान्ति ही नहीं तो और क्या है ? तुम सम्राट नहीं हो, यह निश्चित सत्य है ।

दार्शनिक कन्फ्यूसियस ने बड़े गंभीर तथा संयत स्वर में उत्तर देते कहा, "अनुचरों की आवश्यकता उसे पड़ती है जो आलसी हो, परावलम्बी हो। मैं सतत कर्मण्य रहता हूँ, स्वावलंबी हूँ, किसी भी कार्य के लिए परमुखापेक्षी (दूसरों की मुख की अपेक्षा करने वाला) नहीं हूँ। अतः मेरे साम्राज्य में नौकरों की आवश्यकता नहीं है। सेना की आवश्यकता उसे होती है, जो असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हो। असुरक्षा का भय उसे होता है, जिसके शत्रु हों। शत्रु उसके होते हैं, जो अपने हित को सर्वोपरि समझता है और हित की प्राप्ति के रास्ते में आने वाली बाधाओं की आशंका से सर्वदा त्रस्त रहता है। मैं इस प्रकार की निकृष्ट कामनाओं और इच्छाओं से पीड़ित नहीं हूँ । अतः सारे संसार में मेरा कोई शत्रु नहीं है। अतः मेरे साम्राज्य में सेना की आवश्यकता नहीं है। धन एवं वैभव उसको चाहिए जो निर्धन हो।
निर्धन वह है, जो अपने मन का स्वामी न होकर विषयों तथा भौतिक साधनों के पीछे भागता है। मैं तो आत्म तृप्त हूँ। यही कारण है कि मेरे साम्राज्य में धन की भी आवश्यकता नहीं है। अब आप ही बताइए कि असली सम्राट कौन है?"

सम्राट कुछ नहीं बोल पाया और उनका सिर लज्जा से झुक गया।

i) कौतूहल किसको और क्यों हुआ ? [2]
ii) सम्राट ने अपनी और कन्फ्यूसियस की तुलना करते हुए क्या कहा ? [2]
iii) अनुचरों की आवश्यकता बताते हुए कन्फ्यूसियस ने क्या कहा ? [2]
iv) सेना की आवश्यकता किसे और क्यों होती है ? [2]
v) कन्फ्यूसियस ने ऐसा क्यों कहा कि मेरे साम्राज्य में धन की भी आवश्यकता नहीं है? [2]

Question 4

Answer the followings according to the instructions given :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : [8]

i) 'मलिन' का विलोम बताएँ –
   a) मालिन
   b) निर्मल
   c) सफ़ा
   d) साफ़

ii) 'अमृत' का पर्यायवाची बताइए –
   a) सुधा, सोम
   b) पीयूष, आमीय
   c) रसाल, निशा
   d) सुधा, रस

iii) 'नमक' का विशेषण बताइए –

a) नमकिन
b) नमकीन
c) नमक युक्त
d) नमक रहित

iv) 'अधिक' का भाववाचक संज्ञा बताइए –

a) अधिक्य
b) अधिकता
c) अधिकर
d) अधिकतम

v) 'सनयास' का शुद्ध रूप बताइए –

a) सन्यास
b) संन्यास
c) संयास
d) संयाश

vi) 'आँखों से गिरना' मुहावरें का अर्थ बताइए –

a) दिखाई नहीं देना
b) सामान खो देना
c) सम्मान खोना
d) बुरा लगना

vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए –
वह सत्यवादी नहीं था। (नहीं' हटाकर वाक्य लिखें पर अर्थ न बदले)

a) वह सत्यवादी न था।
b) वह मिथ्यावादी नहीं था।
c) वह मिथ्यावादी था।
d) वह मिथ्या था।

viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए –
बगीचे में फूल खिले हैं। (वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखें।)

a) बगीचे में फूल खिला हैं।
b) बगीचे में फूल खिले है।
c) बगीचे में फूल खिला है।
d) बगीचा में फूल खिला हैं।

SECTION A (40 MARKS)

Attempt any four questions.

साहित्य सागर - गद्य

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"बाबू जगत सिंह ने मिठाई देखी तो चौक उठे — "यह मिठाई पाँच रुपए की है?" "हुजूर पाँच की ही है।" — रसीला का रंग उड़ गया। बाबू जगत सिंह समझ गए। उन्होंने रसीला से फिर पूछा, रसीला ने फिर वही दोहराया।"

[बात अठन्नी की - सुदर्शन]

[Baat Athanni Ki - Sudarshan]

i) कौन चौक उठा और क्यों ? **[2]**

ii) चौक उठने वाले व्यक्ति की क्या विशेषताएँ थीं ? **[2]**

iii) रंग उड़ना का अर्थ बताते हुए यह बताइए कि रंग किसका उड़ गया था और क्यों ? **[3]**

iv) कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"असत्य के आवरण में सत्य बहुत समय तक छिपा न रह सका … ।"

[काकी - सियाराम शरण गुप्त]

[Kaki - Siyaram Sharan Gupt]

i) असत्य बात किससे, किसने कही थी ? **[2]**

ii) असत्य बात क्या थी और क्यों कही गई थी ? **[2]**

iii) सत्य का पता कैसे चला ? सत्य का पता चलने पर बालक के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया? **[3]**

iv) बालक का ह्रदय कब खिल उठता है ? अपने विचारों को साकार (Fulfil) करने के लिए उसने क्या किया ? **[3]**

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"क्या सोचते हो सेठ ? बोलो राज़ी हो ? — धन्ना सेठ की पत्नी ने पूछा। सेठ ने खिन्न होकर कहा — सेठानी जी हँसी छोड़िये। काम की बात कीजिए।"

['महायज्ञ का पुरस्कार' - यशपाल]

[Mahayaga Ka Puraskar - Yashpal]

i) श्रोता कौन है ? उसका परिचय दीजिए। [2]

ii) "बोलो राज़ी हो ?" — धन्ना सेठ की पत्नी के इस कथन का क्या उद्देश्य था ? [2]

iii) श्रोता ने सेठानी की बात को हँसी या मज़ाक़ क्यों समझा ? [3]

iv) धन्ना सेठ की पत्नी ने किसे महायज्ञ बताया ? क्या वह महायज्ञ था ? अपना मत दें। [3]

साहित्य सागर - पद्य

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥
कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

['गिरिधर की कुण्डलियाँ' - गिरिधर]

[Giridhar Ki Kundaliyan — Giridhar]

i) मतलब के व्यवहार से कवि का क्या तात्पर्य है ? [2]

ii) अर्थ लिखें - गाँठ, यार, जगत, मुख। [2]

iii) मित्रों का व्यवहार कब बदल जाता है? समझाकर लिखिए। [3]

iv) बेगरजी प्रीति का क्या अर्थ है? कवि ने इसे विरला क्यों कहा है ? [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"जब तक मनुष्य-मनुष्य का यह,
सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित ना होगा कोलाहल,
संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर,
ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में ,
और भोग संचय में।"

['स्वर्ग बना सकते हैं' - रामधारी सिंह 'दिनकर']
[Swarg Bana Sakte hain - Ramdhari Singh 'Dinkar']

(i) 'सुख भाग नहीं सम होगा' का क्या अर्थ होगा ? **[2]**
(ii) 'सुख भाग सम' नहीं होने का क्या परिणाम होगा ? **[2]**
(iii) संघर्ष कब समाप्त होगा और कैसे ? **[3]**
(iv) कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। **[3]**

Question 10

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"कांकर पाथर जोरि के मस्जिद लई बनाय।
ता चढ़ी मुल्ला बांग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय।।
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजू पहार।
ताते यह चाकी भली, पीस खाए संसार ।।"

['साखी' - कबीरदास]
['Sakhi'- Kabirdas]

i) मुल्ला के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं ? **[2]**
ii) पाहन पूजन के बारे में कवि के क्या विचार हैं? **[2]**
iii) कवि किसकी पूजा करना चाह रहे हैं और क्यों ? **[3]**
iv) इन दोहों के माध्यम से कवि ने वाह्य-आडम्बर का विरोध किस प्रकार किया है ? समझाए। **[3]**